PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A. BIHAR UNIVERSITY NEWS
COMPILED BY MEDIA CELL (15.09.2024)

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR
DATE : 15.09.2024, PAGE-06

चयन पर विश्वविद्यालय को मिलेंगे 100 करोड़

पीएम उषा प्रोजेक्ट

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: प्रधानमंत्री उच्च शिक्षा अभियान यानी पीएम उषा के लिए बीआरए बिहार विश्वविद्यालय ने भी अपनी दावेदारी की है। इसके तहत मल्टीडिसिप्लीनरी एजुकेशन एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी (मेरू) प्रोजेक्ट के लिए विश्वविद्यालय की ओर से आवेदन किया गया है। इस प्रोजेक्ट को राज्य कार्यालय की ओर से मंजूरी प्रदान कर दी गई है। बताया जा रहा है कि विश्वविद्यालय की ओर से तैयार किए गए प्रोजेक्ट को राज्य कार्यालय से काफी सराहना मिली है। राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों की तुलना में इसे सबसे बेहतर बताया गया है। अगर विश्वविद्यालय के प्रोजेक्ट का चयन पीएम उषा के लिए होता है तो 100 करोड़ रुपये मिलेंगे। इससे आधारभूत संरचना, रिसर्च, लैब से लेकर अन्य गतिविधियों को गति मिलेगी। प्रोजेक्ट के तहत बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के अलावा राज्य के तीन अन्य विश्वविद्यालयों ने दावेदारी की है। पटना विश्वविद्यालय, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय और जय प्रकाश नारायण छपरा विश्वविद्यालय का प्रोजेक्ट पहले ही मंजूरी मिल चुकी है। मेरू के लिए विश्वविद्यालय में सीसीडीसी डा. मधु सिंह को नोडल अधिकारी बनाया गया है। वहीं प्रोजेक्ट को अंतिम रूप देने के लिए चार सदस्यीय टीम है। इसमें डा. अमर बहादुर शुक्ला, डा. जितेश, डा. कादंबिनी और डा. प्रवेश दुबे शामिल हैं। रजिस्ट्रार डा. अपराजिता कृष्णा ने बताया कि राज्य के बाद अब राष्ट्रीय स्तर पर प्रोजेक्ट का चयन होना है।

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR
DATE : 15.09.2024, PAGE-04

कॉलेज छात्र-छात्राओं का बनेगा अपार कार्ड, इसमें सुरक्षित रहेंगी उपलब्धियां

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के सभी अंगीभूत व संबद्ध कॉलेजों के स्टूडेंट्स का अपार (ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री) कार्ड बनेगा। इसके लिए सभी कॉलेजों में नोडल पदाधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। उन्हें विश्वविद्यालय की ओर से ट्रेनिंग दी जाएगी। विश्वविद्यालय स्तर पर इसे लेकर 3 सदस्यीय कमेटी बनाई गई है। कुलसचिव ने इसकी अधिसूचना जारी करते हुए कहा कि यह कमेटी कॉलेज के नोडल पदाधिकारियों को ट्रेनिंग देगी। साथ ही समय-समय पर नोडल पदाधिकारियों की समस्याओं का समाधान करेगी। नई शिक्षा नीति के तहत स्टूडेंट्स का एकेडमिक क्रेडिट सुरक्षित रखने के लिए नेशनल एकेडमिक डिपॉजिटरी से लिंक कर उनका अपार कार्ड बनाया जाएगा। यह स्थाई रहेगा। इसमें सभी शैक्षणिक उपलब्धियां सुरक्षित रहेंगी। उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए यह अनिवार्य किया गया है। इसे लेकर बीआरएबीयू में भी तैयारी शुरू हो गई है। कुलपति के आदेश पर कुलसचिव डॉ. अपराजिता कृष्णा ने कमेटी की अधिसूचना जारी की है। इस कमेटी में विश्वविद्यालय के पीजी केमिस्ट्री विभाग के प्रो. राम कुमार, इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के डॉ. अनवर और गणित विभाग के डॉ. विपुल वर्णवाल को रखा गया है। बता दें कि विश्वविद्यालय में सत्र 2018-20 से पीजी में सीबीसीएस लागू है। वहीं, सत्र 2023-27 से स्नातक में सीबीसीएस लागू किया गया है। अब दोनों कोर्स में स्टूडेंट्स को ग्रेड के साथ हर सेमेस्टर में क्रेडिट स्कोर मिलेगा।

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR, DATE : 15.09.2024, PAGE-04

देश के 23 विवि का होना है चयन • डेवलपमेंट को मिलेंगे 100 करोड़ रुपए, राज्य स्तर पर सेलेक्ट है प्रोजेक्ट

मेरू प्रोजेक्ट : बिहार विवि समेत चार विश्वविद्यालयों ने की दावेदारी

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

पीएम उषा (प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान) के तहत मेरू (मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशन एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी) प्रोजेक्ट के लिए बीआरए बिहार यूनिवर्सिटी समेत राज्य के 4 विश्वविद्यालयों ने दावेदारी की है। राज्य कार्यालय से बिहार विवि समेत पटना यूनिवर्सिटी, ललित नारायण मिथिला विवि और जेपी यूनिवर्सिटी के प्रोजेक्ट को अप्रूवल मिल चुका है। इसी महीने नेशनल सबमिशन के लिए पोर्टल खुलेगा। इसे लेकर विश्वविद्यालय में तैयारी तेजी से शुरू कर दी गई है। कहा है कि इस योजना के तहत देशभर के 23 विश्वविद्यालयों का चयन होना है। चयनित यूनिवर्सिटी को पीएम उषा फंड से 100 करोड़ रुपए मिलेंगे। कुलसचिव डॉ. अपराजिता कृष्णा ने बताया कि विश्वविद्यालय का प्रोजेक्ट पीएम उषा के राज्य कार्यालय से फर्स्ट राउंड में सेलेक्ट हो गया है। सेकेंड राउंड पर नेशनल लेवल पर सेलेक्शन होना है। इसके लिए इसी महीने पोर्टल खुलने की उम्मीद है। पोर्टल खुलते ही संबंधित डॉक्यूमेंट्स सहित प्रोजेक्ट सबमिट कर दिए जाएंगे। मेरू के लिए सीसीडीसी प्रो. मनु

सिंह को बीआरए बिहार विश्वविद्यालय का नोडल अधिकारी बनाया गया है। वहीं, प्रोजेक्ट तैयार करने के लिए 4 सदस्यीय टीम बनी है। इसमें डॉ. अमर बहादुर शुक्ला, डॉ. विवेक, डॉ. कार्तिकेय और डॉ. प्रशांत दुबे हैं।

चयन होने पर बदल जाएगी यूनिवर्सिटी की तस्वीर

बिहार विवि की 4 सदस्यीय टीम ने फर्स्ट राउंड के लिए काफी कम समय में प्रोजेक्ट तैयार किया। खास बात यह कि राज्यस्तरीय बैठक में इसे न केवल सराहना मिली, बल्कि सभी 4 यूनिवर्सिटी के प्रोजेक्ट में सबसे बेस्ट भी बताया गया। नेशनल राउंड के लिए इसी महीने पोर्टल खुलने की उम्मीद है। मेरू प्रोजेक्ट चयनित होने पर यूनिवर्सिटी की तस्वीर बदल जाएगी। इसके तहत 100 करोड़ रुपए मिलेंगे। कुलसचिव डॉ. अपराजिता कृष्णा ने बताया कि यह राशि यूनिवर्सिटी में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप करने के साथ ही इनोवेशन, रिसर्च और नए डिपार्टमेंट खोलने पर खर्च की जाएगी। विश्वविद्यालय की ओर से लगातार शोध को बढ़ावा देने की कवायद चल रही है। वहीं, एकेडमिक माहौल बेहतर करने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 बहुविषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालय (मेरू) के तहत मॉडल के रूप में स्थापित करने की दिशा में सकारात्मक पहल बढ़ाई जा रही है।

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE:15.09.2024, PAGE-06

बाजार ही नहीं, विचार की भी भाषा बने हिंदी

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के सरस्वती सभागार में **हिंदी दिवस** पर समारोह, वक्ताओं ने दिया जोर

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के पीजी हिंदी विभाग के सरस्वती सभागार में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि हिंदी पूरे विश्व में समृद्धि के मार्ग पर अग्रसर है। ऐसे में हिंदी बाजार की भाषा नहीं, बल्कि विचार की भाषा भी बने। कार्यक्रम में पीजी हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. सुधा कुमारी, प्रो. प्रमोद कुमार, आइक्यूएसी निदेशक डा. कल्याण कुमार झा, प्रो. कुमारी अनामिका, डा. वीरेंद्र नाथ मिश्र, डा. राकेश रंजन, डा. उज्ज्वल आलोक, डा. संध्या पांडेय, डा. साक्षी शालिनी, बांग्ला विभाग के नवनियुक्त सहायक प्राध्यापक डा. तारक पुरकायथ व सुनंदा मंडल उपस्थित रहे।

एलएस कालेज के हिंदी विभाग और भारतीय भाषा मंच उत्तर बिहार के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। सहायक पुलिस अधीक्षक भानु प्रताप सिंह ने कहा कि हिंदी भारत की एकता और विविधता का प्रतीक है। इस अवसर पर प्राचार्य डा. ओपी राय, हिंदी विभागाध्यक्ष डा. राजीव कुमार झा, डा. राजेश्वर कुमार समेत अन्य ने विचार रखे।

डा. राजेश्वर कुमार ने कहा कि हिंदी भले ही अतीत में संक्रमण काल से गुजरी है, लेकिन समय के साथ हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ती जा रही है। कार्यक्रम का संचालन डा. राधा कुमारी ने किया। मौके पर इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. पुष्पा कुमारी, दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डा. विजय कुमार, डा. सिद्धार्थ कुमार मौर्य, डा. विजय कुमार, डा. राजीव कुमार, डा. दिलीप यादव, डा. संजीव अनल आदि मौजूद रहे। आरबीबीएम कालेज में हिंदी है हम विषय पर पखवाड़ा कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम में डा. राजेश्वर कुमार बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डा. ममता रानी ने किया। **सरैया:** रामेश्वर प्रसाद सिंह महाविद्यालय में हिंदी भाषा और रोजगार की संभावनाएं विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री उषा सिन्हा, डा. आलोक प्रताप सिंह और बतौर मुख्य वक्ता मानविकी डीन डा. सतीश कुमार राय शामिल हुए। अध्यक्षता प्राचार्य डा. राकेश कुमार सिंह ने की। रामेश्वर महाविद्यालय में हिंदी दिवस पर छात्र-छात्राओं के बीच नृत्य, संगीत, भाषण, निबंध और पेंटिंग प्रतियोगिता हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. ब्रह्मचारी व्यास नंदन शास्त्री ने की। निबंध प्रतियोगिता में उज्ज्वल कुमार, अभिषेक झा व निशा ने बेहतर प्रदर्शन किया। पेंटिंग में पूजा, रीना व कोमल ने अपनी छाप छोड़ी। स्वागत हिंदी विभागाध्यक्ष डा. उपेंद्र प्रसाद और धन्यवाद ज्ञापन डा. अभिनव कुमार ने किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अन्नू कुमारी, द्वितीय स्थान पर अंकिता सर्राफ व तृतीय स्थान पर मनीष कुमारी रहीं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय वाणिज्य विभाग में किया गया। अभाविप के क्षेत्रीय छात्र कार्य प्रमुख डा. ममता कुमारी ने कहा कि हिंदी की लोकप्रियता पूरी दुनिया में बढ़ी है। प्रांत उपाध्यक्ष डा. आभा रानी ने हिंदी के अधिक से अधिक इस्तेमाल के लिए प्रेरित किया। महानगर अध्यक्ष डा. विकास कुमार आदि ने विचार रखे।

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE : 15.09.2024, PAGE-04

हिंदी दिवस. शहर भर में विविध कार्यक्रम का आयोजन, भाषा की सहजता पर वक्ताओं ने रखे विचार

विश्व भर में समृद्धि के मार्ग पर अग्रसर है अपनी हिंदी

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में समारोह का आयोजन किया गया. बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में विभागाध्यक्ष प्रो सुधा कुमारी की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ. उन्होंने कहा कि हिंदी सर्वग्राह्य भाषा है. इसकी ग्रहणशीलता अद्भुत है. यह हमारी सांस्कृतिक और मानवीय विरासत का वहन करती है, लेकिन आज इसका विकास रोजगार और तकनीक की भाषा के रूप में भी हो रहा है. आज पूरे विश्व में हिंदी समृद्धि के मार्ग पर अग्रसर है.

आइक्यूएसी निदेशक प्रो कल्याण कुमार झा ने कहा कि वर्तमान समय की जरूरतों और चुनौतियों के अनुसार वैश्विक स्तर पर हिंदी को सक्षम बनाने के लिए हमें तकनीकी और दूसरी भाषाओं की जरूरी शब्दावली को अपनाना होगा.

कार्यक्रम को प्रो कुमारी आशा, प्रो.प्रमोद कुमार ने भी संबोधित किया. मौके पर मोहित मिश्रा, अंजलि, कंचन, शिवम, कोमल, लक्ष्मी, अंजलि, काजल, नितेश, राजन, अनिल, ईश चंद्र, हिमांशु, अर्जुन, स्नेहा, काजल व शिक्षकों में डॉ वीरेंद्र नाथ मिश्र, डॉ राकेश रंजन, डॉ उज्ज्वल आलोक, डॉ संध्या पांडेय, डॉ साक्षी शालिनी, डॉ तारक पुरकायस्थ व सुनंद मंडल उपस्थित रहे. संचालन द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा रचना व धन्यवाद-ज्ञापन अंशु ने किया.

विश्वविद्यालय हिंदी विभाग में कार्यक्रम में शामिल शिक्षक व छात्र.

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR
DATE : 15.09.2024, PAGE-06

विश्वविद्यालय ने बनाई तीन सदस्यीय कमेटी

अपार कार्ड

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए बनने वाले अपार (आटोमैटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री) कार्ड के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। पीजी विभागों से लेकर कालेज में छात्र-छात्राओं के लिए बनने वाले एबीसी (एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट) आइडी में किसी तरह की परेशानी होने पर उन्हें परामर्श देंगे। साथ ही अगर आइडी बनाने में किसी तरह की परेशानी होगी तो समस्याओं का निवारण करेंगे। इसको लेकर रजिस्ट्रार डा. अपराजिता कृष्णा की ओर से अधिसूचना जारी की गई है। तीन सदस्यीय कमेटी में पीजी रसायनशास्त्र विभाग के प्रो. राम कुमार, पीजी इलेक्ट्रानिक्स विभाग के डा. अनवर और डिप्टी कंट्रोलर डा. विपुल बरनवाल को शामिल किया गया है।